

| Gujarat Arts and Science College, Ahmedabad | | | | | |
|--|--------------|----------|---------|---|---|
| Veer Shahid Vinod Kianariwala Library - List of Manuscript | | | | | |
| Sr. No | ACCESSION NO | Class No | Book No | Sanskrit Title | English Title |
| 1 | SL7372 | 819.3 | HAS | श्रीदर्शवैकालिकसूत्रम् । (सात्रचूरि सच्छायम्) | Sridarshavaikalika Sutra. (Satrachuri Sachhayam) |
| 2 | SN6821 | 819.2 | KAL | श्रीकाललोकप्रकाशे अष्टाविंशतितमः सर्गः प्रारभ्यते | The twenty-eighth verse of Sri Kalaloka Prakasha begins |
| 3 | SN6194 | 819.2 | GYA | इति ज्ञाताधर्म कथांग भाषांतरयुक्त प्रथम विभाग | The first part of the Jnatadharm Kathaang with translation |
| 4 | SN2050 | 819.2 | DRO | श्रीमदौपपातिकसूत्रम् । | The Srimadaupapatika Sutra. |
| 5 | SN5482 | 819.29 | GRA | श्रुतस्थविरसूत्रितं । | Shrutasthavirusutritam. |
| 6 | SN1972 | 819.3 | SRI | श्रीमच्छ्यामाचार्यदृढ | Srimatchyamacharyadribdham |
| 7 | SL7373 | 812 | MAR | अथ कृष्णयजुर्वेदीयतैत्तिरीयब्राह्मण प्रारंभः | The Taittiriya Brahmana of the Krishna Yajurveda begins |
| 8 | SL7374 | 815.11 | RAH | अर्थ श्रीधरीटीकासहितश्रीमद्भगवद्गीता प्रारंभः | The beginning of Srimad Bhagavad Gita with Sridharitika |
| 9 | SL7375 | 815.5 | PYA | ब्रह्मसूत्र तत्त्व प्रपाशिका प्यातिभिः | Brahma Sutra Tattva Prapashika |
| 10 | SL7376 | 818.7 | KAL | राजतरङ्गिणी इत्यस्य कलहना | HE RAJATARANGINI OF KALHANA |
| 11 | SN4646 | 819.2 | SHR | श्रीआवश्यकसूत्रम् । | Sri Avashyaka Sutra. |
| 12 | SN6820 | 819.29 | VIJ | महोपाध्यायश्रीमद्विनयविजयगणिविरचितलोकप्रकाशे -क्षेत्र | Mahopadhyaya Srimad Vinaya Vijaya Gani In the light of the world-the field world |
| 13 | SL7377 | 819.3 | SAN | पुननाटसंघीय-श्रीजिनसेनसूरिकृतं हरिवंशपुराणं | The Harivansha Purana |
| 14 | 59215 | 818.5 | SIN | भारतीय पुरालिपि-शास्त्र | Indian Paleographical Science |
| 15 | SN6191 | 819.2 | JAH | श्रीआवश्यकसूत्रम् । | Sri Avashyaka Sutra. |
| 16 | SL7378 | 819.2 | AVA | श्रीआवश्यकसूत्रम् । | Sri Avashyaka Sutra. |
| 17 | SL7379 | 819.2 | MAN | श्रीमन्त्यामृततरंगिणीप्रारंभः | The nectar wave of the blessed justice |
| 18 | SN1769 | 819.2 | BHA | उवास गद साओ (उपासकदशाङ्ग) | Uvas Gad Sao (Upasakadashanga) |
| 19 | SN2040 | 819.3 | SID | ॥ श्रीसम्मतिर्कप्रकरणम् ॥ | Śrisammatitarkaprakāraṇam. |
| 20 | SN3952 | 816.1 | SAU | उब्वरकृतभाष्ययतम् ॥ | Ubvarakritabhashyayatam |
| 21 | SN1749 | 811.1 | RUK | सस्वाहाकारप्रयोगनिर्णया समंत्रकोशाच | Sasvahakaraprayoganirnaya samantrakoshacha |
| 22 | SN0179 | 819.3 | SHA | श्री विपाकश्रुतम् [सूत्रम्] | Sri Vipakashrutam [Sutra |
| 23 | SN2037 | 819.3 | SHR | ॥ श्रीहरिभद्रसूरिग्रन्थसङ्ग्रहः ॥ | ॥ Śrīharibhadrāsūrigranthāsangrahaḥ ॥ |
| 24 | SN1920 | 819.3 | SHR | हारिभद्रियावश्यकवृत्तिटीप्पणकम् . | Haribhadriavashyakavrittippanakam. |
| 25 | SN0229 | 819.2 | SHR | श्रीआचाराङ्गसूत्रम् । | Sri Acharanga Sutra. |
| 26 | SN6822 | 819.29 | SHR | श्रीमहावीरचरित्रम् (प्राकृतं) | Srimahaviracharitam (Prakrit) |
| 27 | SL7380 | 819.3 | BHA | * श्रीव्याख्याप्रज्ञप्तिः | * Srivyakhyaprajnapti |
| 28 | SL7381 | 819.2 | MAH | श्रीमहावीरचरित्रम् (प्राकृतं) | Srimahaviracharitam (Prakrit) |
| 29 | SN1848 | 819.3 | PRN | प्रश्नव्याकरणसूत्रम् | Question grammar formula |
| 30 | SN1852 | 819.2 | SHR | श्रीचित्रकल्पसूत्र | Sri Chitrakalpa Sutra |
| 31 | SL7382 | 815 | TVO | त्वोद्योतटीकाप्रारंभः | The Tvodyotatika |
| 32 | SL7383 | 815.11 | MAD | अथ श्रीमधुसूदनटीकायुतभगवद्गीताप्रारंभः | The Bhagavad Gita with the commentary of Sri Madhusoodana |
| 33 | SL7384 | 812.7 | SAG | श्रीमद्वैपायनमुनिप्रणीतं मत्यपुराणम् । | This is the Matya Purāṇa, |
| 34 | SL0153 | 819.2 | ACH | श्रीमद्रविषेणाचार्यकृतं पद्मचरितम् । | The Padmacharita, |
| 35 | SL4653 | 812 | NAR | अथ कृष्णयजुर्वेदतैत्तिरीय संहिताप्रारंभः | TheTaittiriya Samhita of the Krishna Yajurveda |
| 36 | SN1980 | 819.2 | DOS | दशवैकालिक सूत्र प्रारंभः | Dashavaikalika Sutra Praranbhah |
| 37 | SN6193 | 819.2 | SHR | श्रीमहावीरचरित्रम् (प्राकृतं) | Srimahaviracharitam (Prakrit) |
| 38 | SN6825 | 819.2 | SHR | श्रुतस्थविरसूत्रितं । | Shrutasthavirusutritam. |
| 39 | SN6819 | 817.2 | DEV | अद्यावधि मुद्रितग्रन्थानां सूचिः | Adhyavadhitmundritgranthana Suchi |
| 40 | SN1869 | 819.2 | SHA | विशेषावश्यकभाष्यम् । | Viseshpavsyakabhasam |
| 41 | SN6192 | 819.2 | SHR | श्रीउपदेशपद-महाग्रन्थः । | Sri Upadeshapada-Mahagrantha. |
| 42 | SN4647 | 819.2 | SHR | श्रीअनुयोगद्वाराणि । | The doors of Sri Anuyog. |
| 43 | SN6194 | 819.2 | BAT | बटुं श्रीज्ञाताधर्म कथाङ्ग सूत्र. | Batun Srijnatadharm Kathang Sutra. |
| 44 | SN1971 | 819.9 | SHA | श्री उत्तराध्यायन सूत्र | ShriUttaradhyayana Sutra |
| 45 | SN5482 | 819.2 | DOS | श्री बृहत रूपटतं | Shri Brihat Ruppattanam |
| 46 | SN0223 | 819.2 | SHR | श्रीआचाराङ्गं (प्रथमः श्रुतस्कन्धः) | Sri Acharanga (First Shruta Skanda) |
| 47 | SN1973 | 819.3 | SHR | श्रीप्रज्ञापनोपाङ्गम् (उत्तरार्द्धम्) | Sriprajnapanopangam (second half) |
| 48 | SN2144 | 819.3 | SHR | ॥ श्री प्रश्नव्याकरणम् (गूर्जरभाषानुवाद सहितम्) ॥ | ॥ Sri Question Grammar (with Gurjar translation). |
| 49 | SN0682 | 819.2 | SRU | श्रीआवश्यकसूत्रम् । (द्वितीयभागः) | Sri Avashyaka Sutra. (Part II) |
| 50 | SN6823 | 819.2 | VRI | श्रीमद् धर्मविन्दुप्रकरणम् । | The Srimad Dharmavindu Prakaranam |
| 51 | SN2051 | 819.3 | SHR | श्रीकल्पसूत्रम् | Sri Kalpa Sutra |
| 52 | SN6194 | 819.2 | GYA | छटुं श्रीज्ञाताधर्मकथाङ्कसूत्र प्रथम विनाग | Sixth Sri Jnatadharm Katha Anka Sutra First Vinag |

| | | | | | |
|----|----------|--------|-----|---|--|
| 53 | SL7385 | 813.9 | KHE | ब्रह्म कथा मंजरी | Brahrid Katha Manjari |
| 54 | SL7386 | 814.2 | KUM | अथ आश्वलायनगृह्यसूत्रं | The Ashvalayana Grhya Sutra |
| 55 | SL7387 | 815 | KAT | अथत केटी पिकासहित नीलकंठीप्रारंभ्यते | Then Katie starts the blue necklace with the pickaxe |
| 56 | SL7388 | 815.5 | TAT | तत्वप्रकाशिकाभावदीपप्रथमाध्यायप्रारंभः | Tatva Prakasika Bhavadipa |
| 57 | SL7389 | 815.5 | MAD | अथ मध्वसिद्धांतसारप्रारंभः | The Madhva Siddhanta |
| 58 | SL7390 | 815.5 | GIT | गीतातात्पर्यनिर्णयप्रारंभः | The Gita |
| 59 | SL7391 | 815.5 | SHR | श्रीमत्सर्वमूलप्रारंभः | shrimat sarvamoolprarambha |
| 60 | SL7392 | 815.5 | UPA | दशोपनिषद्भाष्यप्रारंभः | The ten Upanishads |
| 61 | SL7393 | 819.2 | DOS | ववहार सुत्तं (छेद-सूत्र) | Vavahara Suttam (Ched-Sutra) |
| 62 | SL7394 | 814.5 | APT | आचारेन्दुः । | AACHARENDU |
| 63 | SL7395 | 811.9 | RIG | ऋग्भाष्यटीकाप्रथमाध्यायप्रारंभः | The Rigbhashyatika |
| 64 | SL7396 | 815.5 | VAD | वादावलीप्रारंभः | Vadavali |
| 65 | SN3020 | 819.2 | VAD | उत्तराध्ययनसूत्रम् । | Uttaradyayanamsutram |
| 66 | SL7397 | 815.8 | SRI | श्रीमन्यायामृतप्रकरणसूचीसंपूर्णा | Complete list of cases of Srimanyayaamrita |
| 67 | SL7398 | 815 | ATH | अथयुक्तिमल्लिकायां विश्वसौरभं | Athayuktimallikayamvishvasaurabham |
| 68 | SL7399 | 815.11 | ATH | अथसतिप्पणन्यायदीपिकायुतोगीतातात्पर्यनिर्णयः | Athasatippananyayadipikayutogitatatparyanirnaya |
| 69 | SL7400 | 815.5 | TAT | तत्वप्रकाशिकाप्रथमाध्यायप्रारंभः ॥ | The first chapter of the Tattvapraakashika. |
| 70 | SL7401 | 815.5 | SRI | अथश्रीमहाभारततात्पर्यनिर्णयप्रारंभः | Atha Srimahabharatatatparyanirnayaprarambha |
| 71 | SL7402 | 819.3 | PRA | ॥ प्रश्नव्याकरणम् ॥ | ॥ Question Grammar. |
| 72 | SL7403 | 819.3 | BHA | समराइच्चकहा। | Samaraiccakaha. |
| 73 | SL7404 | 819.2 | PUR | प्रश्नव्याकरणमुत्रम् | Question Grammar Utram |
| 74 | SL7405 | 819.2 | SUB | सुबोधिकाख्यवृत्तियुतम् । | Subhodhika. |
| 75 | SL7406 | 819.3 | BHA | श्री प्रश्नव्याकरणम् (गूर्जरभाषानुवाद सहितम्) ॥ | Composed by Sri Bhadrabahaswami |
| 76 | SN2049 | 819.3 | CHA | सिरि चंदाविजसय [चंदगविज्हा पङ्णयं ॥ | Siri chandavijaya [chandagavijha painnayam ॥ |
| 77 | SN1969 | 819.3 | SHR | श्रीव्याख्यापन | Sri Vyakhyapraghnapti |
| 78 | SL7407 | 812.7 | PAD | पद्मपुराणम् | Padma Purana |
| 79 | SL7408 | 815.8 | SHR | श्रीमन्यायामृतप्रारंभः | Shri Mannyayamrut |
| 80 | SL7409 | 817.2 | KAM | काव्यलंकारसूत्र वृत्ति | Kavyalankarasutra Vritti |
| 81 | SL7410 | 815 | ATH | अथयुक्तिमल्लिकाप्रारंभः | Athayuktimallikaprarambha |
| 82 | SL7411 | 811.4 | SHA | वेदसंहिता वा | ATHARVA VEDASAMHITA |
| 83 | SL7412 | 814.6 | SOM | शास्त्रदीपिका । | THE SHASTRADĪPIKA |
| 84 | SL7413 | 812.7 | PAD | पद्मपुराणम् | Padma Purana |
| 85 | SL7414 | 819.3 | UTT | उत्तराध्ययनसूत्रम् । (द्वितीयो विभागः) | The post-study weapon. (Section II) |
| 86 | SL7415 | 819.3 | YAS | ॥ श्रीयाशोविजयवाचकग्रन्थसङ्ग्रहः ॥ | Śriyaśovijaya. |
| 87 | SL7416 | 819.3 | PAN | श्रीपंचाशकप्रकरणं | Sri Panchashaka Prakaranam |
| 88 | SL7417 | 819.3 | PRA | इति प्रश्नव्याकरणसूत्रम् | The question grammar |
| 89 | SL7418 | 819.3 | CHA | सिरि चंदावेज्जग (चंदगविज्जं) पट्टणयं । | Siri Chandavejjag (Chandagvijjam) Padrññayam. |
| 90 | SN0003-K | 812.7 | APT | पद्मपुराणम्, २. | THE PADMAPURANA, |
| 91 | SN0003-F | 812.7 | APT | पद्मपुराणम् । | The Padma Purana. |
| 92 | 41478 | 812.7 | APT | पद्मपुराणम्, २. | THE PADMAPURANA, |
| 93 | SL7419 | 819.2 | UPA | श्री उपदेशपद | Shri Upadeshpad |
| 94 | SL7420 | 815.1 | APT | बृहदारण्यकोपनिषत् | Brihadaranyaka Upanishad |
| 95 | SL7421 | 819.2 | PAN | पनमचरियं सम्मत्तं | panamachariyam sammattam |
| 96 | SL7422 | 811.2 | SHU | श्रीशुकुयजुर्वेदः वाजसनेयिसंहिता माध्यन्दिनौ शाखा ॥ | SHUKLA VAIASNAYI SAMHITA |
| 97 | SN4645 | 819.2 | HEM | श्री विशेष आवश्यकता दुभाषिया | Shree Visheshavasyak Bhasantar |
| 98 | SL7423 | 817.4 | KAM | इतिकमलाकरीटीका सहितः काव्यप्रकाश | Itikavyaprakasa with Kamalakritika |